उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजपथ

*७३१. श्री राजा मोहन सिंह : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजपथों की सड़कों की लम्बाई कितने मील है और उनकी मरम्मत के लिये कितना वार्षिक व्यय मंजूर किया गया है ;

(ख) क्या सरकार इस पर विचार कर रही है कि गंगा के उत्तर में जो राजपथ बनारस से बलिया तक गया है उसको बलिया से आगे बढ़ा कर घाघरा पुल से उत्तर बिहार की सड़कों में मिला दिया जाये ; और

(ग) यदि हां, तो यह काम कब तक पूरा हो जायेगा ।

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) उत्तर प्रदेश में जो राष्ट्रीय राजमार्ग बने हुए हैं उनकी लम्बाई १३६० मील है । जब से राष्ट्रीय राजमार्ग योजना लागू हुई है, इन सड़कों की देखभाल और मरम्मत पर उठाया गया सालाना औसत खर्च ४५.७८ लाख रुपये हैं ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) सवाल ही पैदा नहीं होता ।

Air-conditioned Janata Express

*732. **Shri S. M. Banerjee:** Will the Minister of Railways be pleased to lay on the Table a statement showing:

(a) the number of passengers who travelled in the various Air-conditioned III Class Janata Express trains since their inauguration, zone-wise upto 31st March, 1957;

(b) the total earning on this account till 31st March, 1957; and

(c) the net loss or profit?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) A statement showing the average number of passengers who travelled by air-conditioned III Class trains per trip on the different routes is laid on the Table of the House. Zone-wise figures are not readily available.

(b) The information is being collected and will be placed on the Table of Lok Sabha [*See* Appendix III, annexure No. 110.]

(c) The cost of operation of individual trains is not ascertainable with accuracy and it is not, therefore, possible to work out the net loss or profit with regard to individual trains.

भू-परीक्षण प्रयोगशालायें

*७३३. श्री भक्त दर्शन : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री ७ मई १९५६ के तारांकित प्रश्न संख्या १९७८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में भू-परीक्षण की चौबीसों प्रयोगशालायें स्थापित हो गई हैं ;

(ख) यदि हां, तो वे अब तक कहां-कहां स्थापित की गई हैं ;

(ग) यदि कोई केन्द्र शेष हो तो उसे कहां खोलने का विचार है ;

(घ) इन स्थानों का चुनाव किस आधार पर किया गया है ;

(ङ) प्रत्येक केन्द्र पर अनुमानतः कितना खर्च होगा ; और

(च) इस लक्ष्य को पूरा करने के लिये क्या व्यवस्था की गई है अथवा की जा रही है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) : (क) से (च) सभा की टेबल पर एक विवरण रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या १११]